

test

01 January 1990, Monday
01:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश : 77.12E
अक्षांश : 28.36N
साम्पातिक काल : 7:19:34
स्थानीय मानक समय : 00:38:48
अयनांश : 23.72 एन सी लाहिरी

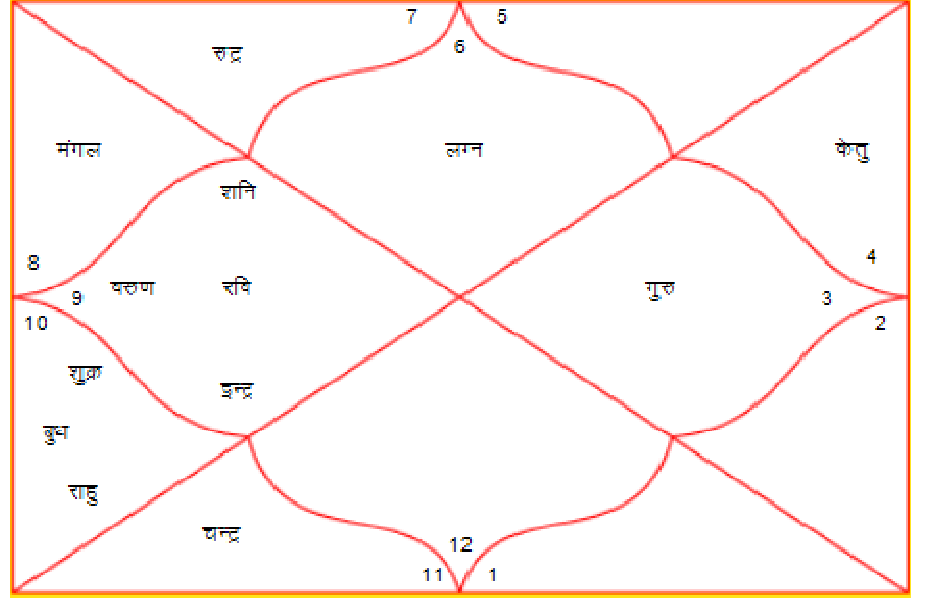
लग्न : कन्या
लग्नपति : बुध
राशी : कुम्भ
राशी स्वामी : शनि
नक्षत्र : धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी : मंगल
चरण : 2

नाड़ी : मध्य
नाड़ी पद : आदि

तिथि : चतुर्थी शुक्ल
पाया : स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग : वज्र

करण : विष्टि
वर्ण : शूद्र
वर्ण : शूद्र
वश्य : जलचर
योनि : सिंह(स्त्री.)
विहग : वायस
गण : राक्षस
प्रथम अक्षर : ग, गी, गू, गे
सूर्य राशि : धनु

लग्न कुण्डली



जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र-पद	स्वामी
लग्न		कन्या	बुध	23:46:34	चित्रा-1	मंगल
रवि	मार्गी	धनु	गुरु	16:23:45	पूर्वाषाढा-1	शुक्र
बुध	वक्री	मकर	शनि	2:6:43	उत्तराषाढ-2	रवि
शुक्र	वक्री	मकर	शनि	12:35:5	श्रवण-1	चन्द्र
मंगल	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	15:47:57	अनुराधा-4	शनि
गुरु	वक्री	मिथुन	बुध	11:31:28	अरिद्रा-2	राहु
शनि	मार्गी	धनु	गुरु	21:51:34	पूर्वाषाढा-3	शुक्र
चन्द्र	मार्गी	कुम्भ	शनि	0:19:41	धनिष्ठा-3	मंगल
राहु	वक्री	मकर	शनि	24:45:17	धनिष्ठा-1	मंगल
केतु	वक्री	कर्क	चन्द्र	24:45:17	आश्लेषा-3	बुध
इन्द्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:1:38	मूला-4	केतु
वरुण	मार्गी	धनु	गुरु	18:17:43	पूर्वाषाढा-2	शुक्र
रुद्र	मार्गी	तुला	शुक्र	23:21:27	विशाखा-2	गुरु

आपका कैरियर इस साल



सालाना कैरियर रिपोर्ट में आपको इस साल अपने कार्यस्थल में होने वाली हलचल का ज्योतिषीय आंकलन मिलेगा। ज्योतिष के सिद्धांतों के द्वारा आप पर ग्रहों के प्रभाव के विश्लेषण कर यह जाना जा सकता है कि साल भर में किस तरह की घटनाओं की अपेक्षा की जाये।

कैरियर रिपोर्ट में ग्रहों के गोचर और ग्रहदशा दोनों को ही जांचा गया है जिससे आपके ऊपर ग्रहों के निरंतर पड़ते प्रभाव को समझा जा सके।



विंशोत्तरी दशा (महादशा)

मंगल

	30 Apr 1986 - 30 Apr 1993
मंगल	30 Apr 1986 - 26 Sep 1986
राहु	26 Sep 1986 - 15 Oct 1987
गुरु	15 Oct 1987 - 20 Sep 1988
शनि	20 Sep 1988 - 30 Oct 1989
बुध	30 Oct 1989 - 27 Oct 1990
केतु	27 Oct 1990 - 25 Mar 1991
शुक्र	25 Mar 1991 - 24 May 1992
रवि	24 May 1992 - 29 Sep 1992
चन्द्र	29 Sep 1992 - 30 Apr 1993

राहु

	30 Apr 1993 - 01 May 2011
राहु	30 Apr 1993 - 11 Jan 1996
गुरु	11 Jan 1996 - 06 Jun 1998
शनि	06 Jun 1998 - 12 Apr 2001
बुध	12 Apr 2001 - 30 Oct 2003
केतु	30 Oct 2003 - 17 Nov 2004
शुक्र	17 Nov 2004 - 18 Nov 2007
रवि	18 Nov 2007 - 11 Oct 2008
चन्द्र	11 Oct 2008 - 12 Apr 2010
मंगल	12 Apr 2010 - 01 May 2011

गुरु

	01 May 2011 - 01 May 2027
गुरु	01 May 2011 - 18 Jun 2013
शनि	18 Jun 2013 - 30 Dec 2015
बुध	30 Dec 2015 - 06 Apr 2018
केतु	06 Apr 2018 - 13 Mar 2019
शुक्र	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
रवि	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
चन्द्र	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
मंगल	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
राहु	05 Dec 2024 - 01 May 2027

शनि

	01 May 2027 - 01 May 2046
शनि	01 May 2027 - 04 May 2030
बुध	04 May 2030 - 11 Jan 2033
केतु	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
शुक्र	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
रवि	21 Apr 2037 - 03 Apr 2038
चन्द्र	03 Apr 2038 - 02 Nov 2039
मंगल	02 Nov 2039 - 11 Dec 2040
राहु	11 Dec 2040 - 18 Oct 2043
गुरु	18 Oct 2043 - 01 May 2046

बुध

	01 May 2046 - 01 May 2063
बुध	01 May 2046 - 26 Sep 2048
केतु	26 Sep 2048 - 23 Sep 2049
शुक्र	23 Sep 2049 - 24 Jul 2052
रवि	24 Jul 2052 - 31 May 2053
चन्द्र	31 May 2053 - 30 Oct 2054
मंगल	30 Oct 2054 - 28 Oct 2055
राहु	28 Oct 2055 - 16 May 2058
गुरु	16 May 2058 - 21 Aug 2060
शनि	21 Aug 2060 - 01 May 2063

केतु

	01 May 2063 - 01 May 2070
केतु	01 May 2063 - 27 Sep 2063
शुक्र	27 Sep 2063 - 26 Nov 2064
रवि	26 Nov 2064 - 03 Apr 2065
चन्द्र	03 Apr 2065 - 02 Nov 2065
मंगल	02 Nov 2065 - 31 Mar 2066
राहु	31 Mar 2066 - 19 Apr 2067
गुरु	19 Apr 2067 - 25 Mar 2068
शनि	25 Mar 2068 - 04 May 2069
बुध	04 May 2069 - 01 May 2070

शुक्र

	01 May 2070 - 01 May 2090
शुक्र	01 May 2070 - 30 Aug 2073
रवि	30 Aug 2073 - 31 Aug 2074
चन्द्र	31 Aug 2074 - 30 Apr 2076
मंगल	30 Apr 2076 - 30 Jun 2077
राहु	30 Jun 2077 - 30 Jun 2080
गुरु	30 Jun 2080 - 01 Mar 2083
शनि	01 Mar 2083 - 01 May 2086
बुध	01 May 2086 - 01 Mar 2089
केतु	01 Mar 2089 - 01 May 2090

रवि

	01 May 2090 - 30 Apr 2096
रवि	01 May 2090 - 18 Aug 2090
चन्द्र	18 Aug 2090 - 17 Feb 2091
मंगल	17 Feb 2091 - 25 Jun 2091
राहु	25 Jun 2091 - 19 May 2092
गुरु	19 May 2092 - 07 Mar 2093
शनि	07 Mar 2093 - 17 Feb 2094
बुध	17 Feb 2094 - 24 Dec 2094
केतु	24 Dec 2094 - 01 May 2095
शुक्र	01 May 2095 - 30 Apr 2096

चन्द्र

	30 Apr 2096 - 02 May 2106
चन्द्र	30 Apr 2096 - 01 Mar 2097
मंगल	01 Mar 2097 - 30 Sep 2097
राहु	30 Sep 2097 - 01 Apr 2099
गुरु	01 Apr 2099 - 01 Aug 2100
शनि	01 Aug 2100 - 02 Mar 2102
बुध	02 Mar 2102 - 02 Aug 2103
केतु	02 Aug 2103 - 02 Mar 2104
शुक्र	02 Mar 2104 - 31 Oct 2105
रवि	31 Oct 2105 - 02 May 2106



विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

गुरु – शुक्र

	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
शुक्र	13 Mar 2019 - 22 Aug 2019
रवि	22 Aug 2019 - 10 Oct 2019
चन्द्र	10 Oct 2019 - 30 Dec 2019
मंगल	30 Dec 2019 - 25 Feb 2020
राहु	25 Feb 2020 - 20 Jul 2020
गुरु	20 Jul 2020 - 27 Nov 2020
शनि	27 Nov 2020 - 30 Apr 2021
बुध	30 Apr 2021 - 15 Sep 2021
केतु	15 Sep 2021 - 11 Nov 2021

गुरु – रवि

	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
रवि	11 Nov 2021 - 26 Nov 2021
चन्द्र	26 Nov 2021 - 20 Dec 2021
मंगल	20 Dec 2021 - 06 Jan 2022
राहु	06 Jan 2022 - 19 Feb 2022
गुरु	19 Feb 2022 - 30 Mar 2022
शनि	30 Mar 2022 - 15 May 2022
बुध	15 May 2022 - 25 Jun 2022
केतु	25 Jun 2022 - 13 Jul 2022
शुक्र	13 Jul 2022 - 30 Aug 2022

गुरु – चन्द्र

	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
चन्द्र	30 Aug 2022 - 10 Oct 2022
मंगल	10 Oct 2022 - 07 Nov 2022
राहु	07 Nov 2022 - 19 Jan 2023
गुरु	19 Jan 2023 - 25 Mar 2023
शनि	25 Mar 2023 - 10 Jun 2023
बुध	10 Jun 2023 - 18 Aug 2023
केतु	18 Aug 2023 - 16 Sep 2023
शुक्र	16 Sep 2023 - 06 Dec 2023
रवि	06 Dec 2023 - 30 Dec 2023

गुरु – मंगल

	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
मंगल	30 Dec 2023 - 19 Jan 2024
राहु	19 Jan 2024 - 10 Mar 2024
गुरु	10 Mar 2024 - 25 Apr 2024
शनि	25 Apr 2024 - 18 Jun 2024
बुध	18 Jun 2024 - 05 Aug 2024
केतु	05 Aug 2024 - 25 Aug 2024
शुक्र	25 Aug 2024 - 21 Oct 2024
रवि	21 Oct 2024 - 07 Nov 2024
चन्द्र	07 Nov 2024 - 05 Dec 2024

गुरु – राहु

	05 Dec 2024 - 01 May 2027
राहु	05 Dec 2024 - 16 Apr 2025
गुरु	16 Apr 2025 - 11 Aug 2025
शनि	11 Aug 2025 - 27 Dec 2025
बुध	27 Dec 2025 - 30 Apr 2026
केतु	30 Apr 2026 - 21 Jun 2026
शुक्र	21 Jun 2026 - 14 Nov 2026
रवि	14 Nov 2026 - 28 Dec 2026
चन्द्र	28 Dec 2026 - 11 Mar 2027
मंगल	11 Mar 2027 - 01 May 2027

शनि – शनि

	01 May 2027 - 04 May 2030
शनि	01 May 2027 - 22 Oct 2027
बुध	22 Oct 2027 - 25 Mar 2028
केतु	25 Mar 2028 - 28 May 2028
शुक्र	28 May 2028 - 28 Nov 2028
रवि	28 Nov 2028 - 22 Jan 2029
चन्द्र	22 Jan 2029 - 23 Apr 2029
मंगल	23 Apr 2029 - 26 Jun 2029
राहु	26 Jun 2029 - 08 Dec 2029
गुरु	08 Dec 2029 - 04 May 2030

शनि – बुध

	04 May 2030 - 11 Jan 2033
बुध	04 May 2030 - 20 Sep 2030
केतु	20 Sep 2030 - 16 Nov 2030
शुक्र	16 Nov 2030 - 29 Apr 2031
रवि	29 Apr 2031 - 17 Jun 2031
चन्द्र	17 Jun 2031 - 07 Sep 2031
मंगल	07 Sep 2031 - 03 Nov 2031
राहु	03 Nov 2031 - 30 Mar 2032
गुरु	30 Mar 2032 - 08 Aug 2032
शनि	08 Aug 2032 - 11 Jan 2033

शनि – केतु

	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
केतु	11 Jan 2033 - 03 Feb 2033
शुक्र	03 Feb 2033 - 12 Apr 2033
रवि	12 Apr 2033 - 02 May 2033
चन्द्र	02 May 2033 - 05 Jun 2033
मंगल	05 Jun 2033 - 28 Jun 2033
राहु	28 Jun 2033 - 28 Aug 2033
गुरु	28 Aug 2033 - 21 Oct 2033
शनि	21 Oct 2033 - 24 Dec 2033
बुध	24 Dec 2033 - 20 Feb 2034

शनि – शुक्र

	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
शुक्र	20 Feb 2034 - 31 Aug 2034
रवि	31 Aug 2034 - 28 Oct 2034
चन्द्र	28 Oct 2034 - 02 Feb 2035
मंगल	02 Feb 2035 - 10 Apr 2035
राहु	10 Apr 2035 - 30 Sep 2035
गुरु	30 Sep 2035 - 03 Mar 2036
शनि	03 Mar 2036 - 02 Sep 2036
बुध	02 Sep 2036 - 13 Feb 2037
केतु	13 Feb 2037 - 21 Apr 2037



ग्रहों की दशा का शिक्षा पर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

गुरु आपकी कुण्डली में कमजोर है फलतः गुरु की महादशा का यह समय शिक्षा में उतार-चढ़ाव ला सकता है. स्मरण शक्ति में कमी के कारण याद किये गये विषयों को बार-बार दुहराना होगा अन्यथा समय पर विषय भूल सकते हैं. इस अवधि में सभी विषयों से मन को हटाकर पढ़ाई में लगाएंगे तो शिक्षा में आने वाली बाधाएं दूर होगी.

शिक्षकों एवं सीनियर्स के मार्गदर्शन एवं सहयोग से भी आपको लाभ उठाने का यत्न करना चाहिए. मित्रों से भी मदद ले सकते हैं, लेकिन, यह तभी संभव है जब आपका व्यवहार विनयपूर्ण होगा. इस अवधि में आपकी योग्यता को देर से पहचान मिल सकती है. ऐसे में, धैर्य से काम लेना लाभकारी रहेगा.

अन्तर दशा : गुरु-शुक्र

13 March 2019 - 11 November 2021

शुक्र महादशा की यह अवधि शिक्षा के लिए अनुकूल है. नियमबद्ध तरीके से अध्ययन करने पर आप अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं. शिक्षा में उत्साह और प्रेरणा हेतु शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते रहना लाभप्रद होगा. प्रयास करने पर कठिन विषयों का हल निकालने में कामयाब होंगे.

परीक्षा की तैयारियों को लेकर आप असंतुष्ट रहेंगे जिससे अधिक से अधिक ज्ञान हासिल करने की आपमें चाहत बनी रहेगी. विपरीत लिंग के व्यक्तियों से शिक्षा में सहयोग लेना अधिक लाभप्रद नहीं होगा. इन दिनों शैक्षणिक क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. मित्रों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनेंगे. मधुर व्यवहार से प्रतियोगियों से भी मधुर सम्बन्ध बनाये रखने में कामयाबी मिलेगी.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु-शुक्र-मंगल

30 December 2019 - 25 February 2020

उपरोक्त समय में आप मंगल की प्रत्यन्तर दशा के प्रभाव में रहेंगे. आप जो भी ठान लेंगे उसे पूरा करने के लिए जुट जाएंगे. इस गुण को अध्ययन में लगाएंगे तो शिक्षा में अपनी स्थिति मजबूत बनाने में सफलता मिलेगी. मनोबल भी इन दिनों ऊँचा रहेगा जिससे मुश्किलों का हल निकालने में अधिक समय नहीं लगेगा. अपने साथ-साथ दूसरों की परेशानियों का निदान कर सकेंगे. इससे सहपाठियों एवं मित्रों से सम्बन्ध मजबूत होंगे.

छात्रों के बीच आपकी छवि नेतृत्वकर्ता की बनेगी. खेल-कूद एवं अन्य कार्यों में आप आगे रहेंगे. लेकिन, यह याद रखना आवश्यक है कि आपके लिए आपकी शिक्षा सर्वोपरि है, अन्य चीजों के बीच यह पीछे न रह जाए. दूसरों की मदद लेकर कार्य करने की बजाय अपनी बुद्धि और समझ से जो भी कार्य



करेंगे उसमें आपका प्रदर्शन ज्यादा अच्छा होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—राहु

25 February 2020 - 20 July 2020

राहु दशा शिक्षा में सफलता प्रदान कर सकता है, इसके लिए आपको सोच—समझकर और दूरदर्शिता से निर्णय लेने की जरूरत है. इन दिनों शैक्षिक स्तर बढ़ाने के लिए आप आधुनिक तकनीकों की मदद ले सकते हैं. अपनी पढ़ाई को बेहतर और आसान बनाने के लिए आप नीति निर्माण बना सकते हैं. सुख—सुविधाओं में रहकर पढ़ना आपको अच्छा लगेगा.

इस अवधि में आपकी सोच यह रह सकती है कि उद्देश्य किसी भी तरह पूरा होना चाहिए, इसके लिए नैतिक नियमों से काम न बने तो अनैतिक नीति अपनाने से भी परहेज नहीं करेंगे. शैक्षणिक क्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है. कुछ नये दायित्व भी आपको सौंपे जा सकते हैं. किसी पर भी जरूरत से अधिक विश्वास नहीं करना चाहिए.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—गुरु

20 July 2020 - 27 November 2020

दिये गये समय में आप गुरु की प्रत्यन्तर दशा के प्रभाव में रहेंगे. इस दौरान विषयों को अच्छी तरह समझने के लिए बार—बार अभ्यास करना होगा. आपकी याददाश्त कुछ कमजोर रह सकती है इसलिए, विषयों को ध्यान में रखने के लिए लिखकर अध्यास करें तो ज्यादा अच्छा रहेगा. पाठ सम्बन्धी कमजोरियों को दूर करने के लिए शिक्षकों एवं सीनियर्स से सहयोग ले सकते हैं.

शैक्षिक क्षेत्र में दूसरों को सलाह देने की बजाय खुद को बेहतर बनाने पर आपको ध्यान देना चाहिए. विवेक और दूरदर्शिता से काम लेंगे तो मुश्किलों का हल निकालना आसान होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—शनि

27 November 2020 - 30 April 2021

उपरोक्त समय आपके लिए अनुकूल साबित हो सकता है बशर्ते कि आप मेहनत और लगन से अपनी जिम्मेवारियों को निभाने की कोशिश करें. पढ़ाई की ओर ध्यान केन्द्रित करेंगे तो विषयों को गहराई से समझने में आसानी होगी. योग्यता के अनुरूप वर्ग में स्थान व सम्मान मिलेगा. इस अवधि में आलस्य को त्याग कर दृढ़ संकल्प से लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयास करेंगे तो सफलता आशानुरूप मिलेगी.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए जो उपाय बताये गये हैं उनमें एक हैं मंत्र जप. व्यक्ति जिस ग्रह के मंत्र का जप करता है या करवाता है. उस ग्रह से सकारात्मक उर्जा की प्राप्ति होती है. ग्रह अपनी दशावधि में व्यक्ति को शुभ फल देते हैं तथा अशुभ प्रभाव से बचने हेतु प्रेरणा देते हैं.

मंत्र जप से आत्मिक शांति, धैर्य, लगनशीलता तथा उर्जा का संचार होता है. इससे व्यक्ति में मेहनत करने की क्षमता बढ़ती है. स्मरण शक्ति एवं बौद्धिक क्षमता का विकास होता है फलस्वरूप व्यक्ति को अपनी कोशिशों के अनुरूप अच्छी सफलता मिलती है.



मंत्र जप का पूर्ण फल पाने के लिए मंत्रों के उच्चारण में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होता है। व्यक्ति में मंत्रों के प्रति श्रद्धा भी होनी चाहिए। जप के पश्चात हवन करना लाभप्रद होता है।

रत्नों द्वारा उपाय

इस समय आप गुरु का रत्न पुखराज धारण कर सकते हैं। इससे विश्लेषणात्मक योग्यता का विकास होगा। शिक्षा से सम्बन्धित सही निर्णय ले सकेंगे। उपलब्ध संसाधनों एवं योग्यता से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने में आप सफल होंगे। उच्च शिक्षा के मार्ग खुलेंगे। शैक्षिक क्षेत्र में आने वाली परेशानियों में कमी आएगी। सकारात्मक विचारों से सोच का दायरा बढ़ेगा।

दान के द्वारा उपाय

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा चल रही है। इस दशा में गुरु ग्रह की वस्तुओं का दान लाभप्रद होगा। गुरु की वस्तुओं में आप पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी या बेसन के लड्डू का दान कर सकते हैं। इन वस्तुओं का दान बृहस्पतिवार के दिन शाम को सूर्यास्त के बाद के दो घंटे के भीतर करना चाहिए।

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु के मंत्र "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रीं सः गुरुवे नमः" का 19000 बार जप गुरु के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा। मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे। निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है।

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए। हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें। हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें। मंत्र जप से ज्ञान प्राप्ति में रुचि बढ़ेगी। आपकी स्मरण शक्ति का विकास होगा।

शिक्षा भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

पंचम घर में सूर्य का गोचर

16 January 2020 - 14 Feb 2020

सूर्य का गोचर इस समय पंचम भाव से हो रहा है। यह आपके आत्मविश्वास का बढ़ाएगा। आप अपने शैक्षणिक उत्तरदायित्व को निभाने की कोशिश करेंगे। शिक्षकगण आपकी प्रशंसा करेंगे। इससे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवधि में अपना ध्यान शिक्षा की ओर जितना केन्द्रित करेंगे आपके लिए उतना ही फायदेमंद होगा।

शैक्षिक क्षेत्र से जुड़े प्रशासनिक कार्यों को पूरा करने में आसानी होगी। इस गोचर के दौरान अपने में व्यवहार में लचीलापन रखना चाहिए। किसी से सहयोग पाना चाहते हैं तो आपने अंदर भी सहयोग की भावना रखें।

पंचम घर में बुध का गोचर

14 January 2020 - 01 Feb 2020



पंचम भाव से बुध का गोचर शैक्षिक कार्यों के लिए अनुकूल है. यह आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. बौद्धिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी. अपनी पढ़ाई को लेकर आप गंभीरता से सोचेंगे. मन लगाकर ध्यान से पढ़ाई करने पर आप उन विषयों को भी समझ सकेंगे जिन्हें समझने में कठिनाई आ रही थी.

धैर्य और बुद्धिमानी से अपनी प्रतिभा को समाने में लाने में भी यह गोचर सहायक होगा. सहपाठियों एवं मित्रों से सम्बन्ध सुधारने की ओर आपका ध्यान जाएगा. शैक्षिक क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है.

पंचम घर में शुक्र का गोचर

16 December 2019 - 10 Jan 2020

उपरोक्त समय में शुक्र का गोचर शिक्षा स्थान यानी पंचम भाव से होगा ऐसे में, अपना मन मनोरंजन एवं घूमने-फिरने की ओर अधिक आकर्षित होगा. अपनी जिम्मेदारियों एवं लक्ष्य का ध्यान रखेंगे तो मनोरंजन के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी कर पाएंगे. परीक्षा की तैयारी में निरन्तरता बनी रहेगी. शैक्षणिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रेम-प्रसंगों से खुद को दूर रखना चाहिए.

पढ़ाई की ओर पूरी तरह ध्यान केन्द्रित नहीं हो पा रहा है और मनोविनोद की इच्छा प्रबल हो रही है तो, कलात्मक कार्यों की ओर मन लगाइये इससे मनोरंजन भी होगा और कलात्मक क्षमताओं में भी निखार आएगा.

पंचम घर में मंगल का गोचर

23 March 2020 - 05 May 2020

मंगल का गोचर इस समय में शिक्षा भाव से हो रहा है. इस दौरान लक्ष्य पाने के लिए आप अधिक प्रयास करेंगे. शैक्षिक कार्यों को पूरा करने हेतु आप अधिक क्रियाशील रहेंगे. रचनात्मक कार्यों को लेकर आपमें जोश और उत्साह बना रहेगा.

आपका आशावादी दृष्टिकोण कठिनाईयों को सुलझाने में सहयोगी होगा. शिक्षा से सम्बन्धित अपनी योजनाओं को पूरा कर पाएंगे. इस दौरान आप किसी प्रतियोगिता या परीक्षा में भाग ले रहे हैं तो अपने प्रदर्शन से आपको संतुष्टि मिलेगी. क्रोध पर काबू रखें और वाद-विवाद से दूर रहें यह आपके लिए लाभप्रद होगा.

पंचम घर में गुरु का गोचर

31 March 2020 - 01 Jul 2020
21 November 2020 - 07 Apr 2021

उपरोक्त समय में गुरु का गोचर शिक्षा भाव से होगा. इस समय का सदुपयोग अपनी योग्यता और



कार्य कुशलता को निखारने में करना चाहिए। इसके लिए शिक्षा में रुचि और आत्मविश्वास बनाये रखना लाभप्रद होगा। पढ़ाई पर ध्यान देंगे तो ज्ञान का विकास होगा।

जिन विषयों को समझने में परेशानी आ रही है उन्हें मित्रों एवं सीनियर्स से विचार-विमर्श करके समझ सकते हैं। शिक्षकों से भी इसमें सहयोग मिलेगा। उन्हें अपनी समस्या निःसंकोच बताएं।

पंचम घर में शनि का गोचर

25 January 2020 - 30 Apr 2022

शनि का गोचर दिये गये समय में शिक्षा स्थान यानी पंचम भाव से हो रहा है। इस दौरान आप स्वाध्याय करना अधिक पसंद करेंगे। मेहनत और लगन से किये गये प्रयास से जहां आपका ज्ञान बढ़ेगा वहीं विषय सम्बन्धी शंकाओं और कठिनाईयों को दूर करने में कामयाब होंगे। इस अवधि में आप किसी परीक्षा में भाग ले रहे हैं तो अपने अंदर सकारात्मक भाव बनाये रखें इससे आपका आत्मबल बढ़ेगा। उत्तर सही प्रकार से दे सकेंगे।

दूरदर्शिता एवं समझदारी से शिक्षा में आने वाली बाधाओं को पार करने में आपको कामयाबी मिलेगी। पढ़ाई करते वक्त आप जल्दी थकान और उबाऊपन महसूस नहीं करेंगे। तकनीकी विषयों को समझना इन दिनों आसान होगा। अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहें और लक्ष्य पर नज़रें टिकाए रखकर प्रयत्न करें तो अनुकूल फल की प्राप्ति होगी।

पंचम घर में चन्द्र का गोचर

25 January 2020 - 27 Jan 2020
 21 February 2020 - 24 Feb 2020
 19 March 2020 - 22 Mar 2020
 16 April 2020 - 18 Apr 2020
 13 May 2020 - 15 May 2020
 09 June 2020 - 12 Jun 2020
 07 July 2020 - 09 Jul 2020
 03 August 2020 - 05 Aug 2020
 30 August 2020 - 02 Sep 2020
 27 September 2020 - 29 Sep 2020
 24 October 2020 - 26 Oct 2020
 20 November 2020 - 22 Nov 2020
 18 December 2020 - 20 Dec 2020

दिये गये समय में चन्द्र का गोचर पंचम भाव से होगा जिसके फलस्वरूप इस अवधि में पढ़ाई में आपकी रुचि बढ़ेगी। चिन्ताओं में कमी आने से पढ़ाई करते वक्त ध्यान केन्द्रित रख पाएंगे। अपने सहयोग पूर्ण व्यवहार से मित्रों से सम्बन्ध मजबूत बनाने में आपको सफलता मिलेगी। मित्रों से स्नेह मिलेगा। वह सहयोग के लिए भी आगे आएंगे।

शैक्षणिक कार्य का दबाव बढ़ने पर भी मन शंत रखकर काम पूरा करने का प्रयास करें। इससे मानसिक तनाव से खुद को मुक्त रख पाएंगे। इस अवधि में लगन पूर्वक और ध्यान से किये गये कार्यों से आपको



प्रशंसा प्राप्त होगी.

शिक्षण भाव के स्वामी का शिक्षा भाव में गोचर

25 January 2020 - 30 Apr 2022

उपरोक्त समय में शनि का गोचर पंचम भाव से हो रहा है. शनि आपकी कुण्डली में इस भाव का स्वामी भी है. इस गोचर के प्रभाव से शैक्षणिक कार्य बढ़ेगा. इससे आपके ऊपर मानसिक दबाव पड़ सकता है. इस दबाव को अपनी लगनशीलता से दूर सकते हैं. शिक्षा से जुड़े उन कार्यों को भी पूरा कर पाएंगे जिन्हें किसी कारण से पूरा करने में परेशानी आ रही थी.

परीक्षा परिणाम अच्छा पाने के लिए आप अधिक चिंतित रहेंगे. यह चिंता जमकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करेगी फलतः, अध्ययन करते वक्त देर तक पढ़ाई में जुटे रहेंगे. मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक पढ़ाई पर ध्यान देना इस समय का मूल मंत्र है.

आप पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव

25 January 2020 - 30 Apr 2022

इस समय आप साढ़ेसाती के प्रभाव में हैं. इसके फलस्वरूप शैक्षिक क्षेत्र में आपका कार्य भार बढ़ सकता है. कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी. अगर अपने शैक्षिक दायित्व को निभाएंगे तो ज्ञान का स्तर बढ़ेगा. जल्दबाजी और चिन्ता से आपको बचना चाहिए. धैर्य एवं शांति से किया गया प्रयास योग्यता के अनुसार आपको अच्छी सफलता दिला सकता है.

साढ़ेसाती के प्रभाव के कारण नये विषयों पर अध्ययन आरम्भ करते समय आपको कठिनाई महसूस हो सकती है. इन कठिनाईयों को निरन्तर प्रयास से दूर किया जा सकता है. हो सकता है कि किये गये कार्यों को कई बार दुहराना पड़े. इससे उबना नहीं चाहिए क्योंकि, बार-बार अभ्यास से विषय की स्मृति लम्बे समय तक मस्तिष्क में बनी रहती है.

इन दिनों आपको शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कुछ परेशानियों से दो-चार होना पड़ सकता है. मेहनत के बावजूद भी आप सफलता को लेकर आशंकित रहेगे. अपने अंदर आत्मविश्वास और आशावादिता की कमी करेंगे तो नकारात्मक विचार आप पर हावी हो सकते हैं.

आपके लिए सलाह है कि सफलता के लिए ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक प्रयास करें. गलत तरीके से सफलता पाने की कोशिश करेंगे तो खुद के लिए परेशानी मोल लेंगे.